1000221 - B1

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

Class - X
कक्षा - X

HINDI
हिन्दी

(Course A)
(पाठ्यक्रम अ)

निर्धारित समय : **3** घंटे] [अधिकतम अंक : **80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **11** हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **16** प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है। इस अवधि के दौरान छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खण्ड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए – **1x5=5**

भारतेन्दु के जीवन का उद्देश्य अपने देश की उन्नति के मार्ग को साफ सुथरा और लम्बा–चौड़ा बनाना था। उन्होंने इसके काँटों और कंकड़ों को दूर किया। उसके दोनों ओर सुन्दर–सुन्दर क्यारियाँ बनाकर उनमें मनोरम फल–फूलों के वृक्ष लगाए। इस प्रकार उसे सुरम्य बना दिया कि भारतवासी उसपर आनंदपूर्वक चलकर अपनी उन्नति के इष्ट स्थान तक पहुँच सकें। यद्यपि भारतेन्दु जी अपने लगाए हुए वृक्षों को फल–फूलों से लदा न देख सके, फिर भी हमको यह कहने में किसी भी प्रकार का संकोच न होगा कि वे जीवन के उद्देश्य में पूर्णतया सफल हुए। हिंदी भाषा और साहित्य में जो उन्नति आज दिखाई पड़ रही है, उसके मूल कारण भारतेन्दु जी हैं और उन्हें ही हम इस उन्नति के बीज को रोपित करने का श्रेय देना चाहेंगे।

(1) भारतेन्दु के जीवन का उद्देश्य क्या था ? **1**

(क) देश का विकास करना। (ख) मार्गों को साफ रखना।

(ग) हिन्दी भाषा और साहित्य की उन्नति। (घ) भारतीय संस्कृति का विकास।

(2) भारतेन्दु ने अपने जीवन में क्या किया? **1**

(क) फल–फूलों के वृक्ष लगाए। (ख) हिन्दी भाषा और साहित्य की उन्नति के बीज बोए।

(ग) रास्तों को सुन्दर बनाया। (घ) भारतीयों को आनंद प्रदान करने का प्रयास किया।

(3) 'काँटों और कंकड़ों' से क्या अभिप्राय है? **1**

(क) मार्ग की रूकावटें। (ख) पौधों के काँटे और रास्ते के कंकड़।

(ग) आस–पास फैली गंदगी। (घ) मन के बुरे भाव।

(4) 'मनोरम' का अर्थ है? **1**

(क) दूर–दूर तक। (ख) विभिन्न आकारों के।

(ग) बड़े–बड़े। (घ) मन को रमाने वाला।

(5) प्रस्तुत गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है। **1**

(क) भारतेन्दु के जीवन का लक्ष्य (ख) देश की उन्नति

(ग) आनंद प्राप्ति (घ) सुंदर भारत देश

2. प्रस्तुत गद्य को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए– **5**

विद्यार्थी जीवन ही वह समय है, जिसमें बच्चों के चरित्र, व्यवहार तथा आचरण को जैसा चाहे वैसा रूप दिया जा सकता है। यह अवस्था भावी वृक्ष की उस कोमल शाखा की भाँति है जिसे जिधर चाहे मोड़ा जा सकता है। पूर्णतः विकसित वृक्ष की शाखाओं को मोड़ना संभव नहीं। उन्हें मोड़ने का प्रयास करने पर वे टूट तो सकती हैं, पर मुड़ नहीं सकती। छात्रावस्था उस श्वेत चादर की तरह होती है जिसमें जैसा प्रभाव डालना हो, डाला जा सकता है। श्वेत चादर पर एक बार जो रंग चढ़ गया, फिर से वह पूर्वावस्था को प्राप्त नहीं हो सकती। इसीलिए प्राचीन काल से ही विद्यार्थी जीवन के महत्त्व को स्वीकारा गया है। इसी अवस्था में सुसंस्कार और सद्वृत्तियाँ पोषित की जा सकती हैं। इसीलिए प्राचीन समय में बालक को घर से दूर गुरूकुल में रहकर कठोर अनुशासन का पालन करना होता था।

(1) व्यवहार को सुधारने का सर्वोत्तम समय कौन सा है? **1**

(क) प्राचीन काल (ख) पूर्वावस्था

(ग) छात्रावस्था (घ) विकसित अवस्था

(2) छात्रावस्था की तुलना विकसित पेड़ से करना क्यों ठीक नहीं है? **1**

(क) पेड़ की शाखा मुड़ जाती है। (ख) शाखा तक आसानी से पहुँचा नहीं जा सकता।

(ग) शाखाएँ बहुत भारी होती हैं। (घ) विकसित पेड़ की शाखा मुड़ नहीं पाती।

(3) छात्रों को गुरूकुल में क्यों छोड़ा जाता था? **1**

(क) उनमें सुसंस्कार और सद्वृत्तियाँ पोषित हों। (ख) कठोर अनुशासन का पालन करना सीखें।

(ग) विद्यार्थी जीवन का महत्त्व स्वीकार हो। (घ) घर में संस्कार देना संभव नहीं।

(4) छात्रावस्था सफ़ेद चादर के समान है, क्योंकिः **1**

(क) जैसा प्रभाव डालना हो, डाला जा सकता है।

(ख) एक बार प्रभाव पड़ने पर बदला नहीं जा सकता।

(ग) जितना प्रभाव डालना हो डाला जा सकता है।

(घ) छात्रों में विरोध की भावना नहीं पनपती।

(5) विकसित विशेषण बना हैः **1**

(क) सर्वनाम से (ख) विशेषण से

(ग) क्रिया से (घ) अव्यय से

3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प छाँटकर लिखिए- **5**

चंदा-तारों सी सहज कांति नदियों में है मुस्कान भरी,
है पवन झकोरों में दुलार, खेतों में है दौलत बिखरी,
पग-पग मेरा विश्वास भरा, तप से है यह जीवन निखरा,
प्रखर कर्म का पाठ सतत, पढ़ती मैं भारत माता हूँ।
गौरव का मार्ग दिखाती हूँ, मैं सहज बोध, मैं सहज शक्ति,
सुविवेकी भारत माता हूँ।
मूर्तियाँ बना डालों सजीव, अनगढ़ पत्थर को काट-काट,
बंधुता प्रेम को फैलाया, अपना ही अंतर बाँट-बाँट,
जिसके गीतों से जगत् मुग्ध
जिसके नृत्यों पर जगत् मुग्ध
जिसकी कविता-धारा अविरल
बहती वह भारत माता हूँ।

(1) खेतों में दौलत बिखरी होने से क्या तात्पर्य है? **1**

(क) अच्छी फसल होती है। (ख) खज़ाने गड़े हैं।

(ग) खाद के रूप में दौलत बिखेरी जाती है। (घ) किसान बहुत अमीर है।

(2) निम्नलिखित में कौन सा कथन उपयुक्त नहीं है? **1**

(क) भारत माता सबको धीरज का पाठ पढ़ाती है। (ख) कष्ट सहना सिखाती है।

(ग) कर्महीनता का पाठ पढ़ाती है। (घ) बंधुता प्रेम को फैलाती है।

(3) भारत ने अपना हृदय किस रूप में बाँटा है? **1**

(क) फसलों के रूप में (ख) दूसरों के प्रति प्रेम प्रदर्शित करके

(ग) मूर्तियाँ बनाकर (घ) सुधा-दान करके

(4) प्रस्तुत काव्यांश में किन कलाओं की चर्चा हुई है? **1**

(क) चाँद, तारे, नदियाँ, पवन (ख) विश्वास, कर्म, धीरज, गौरव

(ग) सहज बोध, शक्ति, सुधा-दान, सुविवेक (घ) संगीत, नृत्य, कविता, मूर्ति बनाना

(5) निम्न में से कौन सा विशेषण विशेष्य का युग्म नहीं है? **1**

(क) सहज कांति (ख) प्रखर कर्म

(ग) अनगढ़ पत्थर (घ) बंधुता-प्रेम

4. निम्न काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प छाँटकर लिखें- **5**

विषुवत-रेखा का वासी जो,
जीता है नित हाँफ-हाँफ कर,
रखता है अनुराग अलौकिक,
वह भी अपनी मातृभूमि पर।

ध्रुव-वासी जो हिम में, तम में,
जी लेता है काँप-काँप कर,
वह भी अपनी मातृभूमि पर
कर देता है प्राण-निछावर ॥

तुम तो हे प्रिय बंधु ! स्वर्ग-सी,
सुखद, सकल विभवों की आकर,
धरा शिरोमणि मातृभूमि में,
धन्य हुए हो जीवन पाकर।

तुम जिसका जल-अन्न ग्रहण कर,

बड़े हुए लेकर जिसकी रज,

तन रहते कैसे तज दोगे,

उसको, हे वीरों के वंशज ।।

जब तक साथ एक भी हम हो,

हो अवशिष्ट एक भी धड़कन,

रखो आत्म गौरव से ऊँची,

पलकें, ऊँचा सिर, ऊँचा मन ।

(1) विषुवतीय प्रदेश में रहने वालों को क्या कष्ट होता है? **1**

(क) दूर-दूर तक चलने के कारण वे हाँफने लगते हैं।

(ख) वहाँ सर्दी बहुत होती है।

(ग) अत्यधिक गर्मी सहन करनी पड़ती है।

(घ) मातृभूमि की रक्षा में कष्ट सहन करने पड़ते हैं।

(2) विषुवत-रेखा और ध्रुव प्रदेश के वासी अपनी मातृभूमि के प्रति कैसी भावनाएँ रखते हैं? **1**

(क) प्राण न्योछावर करने को तैयार रहते हैं। (ख) छोड़कर जाना चाहते हैं।

(ग) वहाँ रहते हुए भय से काँपते हैं। (घ) प्रसन्नतापूर्वक रहते हैं।

(3) कवि ने वीरों के वंशज किन्हें कहा है? **1**

(क) प्रिय बंधुओं को (ख) विषुवत रेखा के वासियों को

(ग) भारतीयों को (घ) ध्रुववासियों को

(4) प्रस्तुत कविता में कवि क्या संदेश दे रहा है? **1**

(क) देश के प्रति प्राण भी न्योछावर करने को तैयार रहो।

(ख) देश को छोड़कर मत जाओ।

(ग) औरों की तरह कष्ट सहन करो।

(घ) धरा-शिरोमणि में जन्म लेने के कारण अहंकार करो।

(5) किस शब्द का अर्थ 'प्रेम' है? **1**

(क) अलौकिक (ख) सुखद

(ग) आकर (घ) अनुराग

खण्ड 'ख'

5. क्रिया पद छाँटकर उनके भेद सहित सही विकल्प चुनकर लिखें–

(क) वह दीन दुःखियों की सहायता करता है। **1**

(i) सकर्मक क्रिया (ii) अकर्मक क्रिया

(iii) पूर्णकालिक क्रिया (iv) प्रेरणार्थक क्रिया

(ख) यह मधुर गीत किसने गाया? **1**

(i) सकर्मक क्रिया (ii) अकर्मक क्रिया

(iii) द्विकर्मक क्रिया (iv) प्रेरणार्थक क्रिया

(ग) मोहन रमेश को किताब दिखा रहा है। **1**

(i) अकर्मक क्रिया (ii) प्रेरणार्थक क्रिया

(iii) द्विकर्मक क्रिया (iv) सकर्मक क्रिया

(घ) नरेन्द्र ने रमा को पढ़ाया। **1**

(i) सकर्मक क्रिया (ii) अकर्मक क्रिया

(iii) प्रेरणार्थक क्रिया (iv) द्विकर्मक क्रिया

6. (क) निम्नलिखित वाक्यों में से एक कर्मक क्रिया प्रयुक्त होने वाले वाक्य के सही विकल्प को चुनकर लिखिए– **1**

(i) हरी सड़क पर चलता है। (ii) तुमने खाना खा लिया।

(iii) वे सो गये। (iv) तुमने उसे पुस्तक दिखाई।

(ख) 'चोर साथी को हिस्सा बताता है' वाक्य में प्रयुक्त क्रिया का भेद निम्नलिखित विकल्पों से सही विकल्प चुनकर लिखिए– **1**

(i) अकर्मक (ii) द्विकर्मक

(iii) अपूर्ण (iv) एककर्मक

(ग) 'वे कभी–कभी पढ़ जाया करते थे।' वाक्य में प्रयुक्त मुख्य क्रिया निम्नलिखित विकल्पों से चुनकर लिखिए– **1**

(i) पढ़ (ii) जाया

(iii) करते (iv) थे

(घ) निम्नलिखित में से किस वाक्य में मुख्य क्रिया प्रयुक्त नहीं हुई है? सही विकल्प चुनकर लिखिए– **1**

(i) चिड़िया गा रही थी। (ii) बच्चे पढ़ चुके थे।

(iii) राम आज नहाया। (iv) वह हँस रही है।

7. (क) वह पढ़ता जा रहा था। इस वाक्य में रेखांकित क्रियाओं के भेद का सही विकल्प निम्नलिखित विकल्पों से चुनकर लिखिए– 1

(i) अकर्मक क्रिया (ii) अपूर्ण क्रिया

(iii) सहायक क्रिया (iv) मुख्य क्रिया

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में से किस वाक्य में सहायक क्रिया प्रयुक्त नहीं हुई, विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए। 1

(i) वह रो रही थी। (ii) वह सुन्दर गाती थी।

(iii) वह मुसकराया और गया। (iv) उसने हँस कर कहा था।

(ग) 'तुम वहाँ आज हो' वाक्य में रेखांकित क्रिया का भेद निम्नलिखित विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए– 1

(i) सहायक क्रिया (ii) अपूर्ण क्रिया

(iii) संयुक्त क्रिया (iv) मुख्य क्रिया

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में किस वाक्य में सहायक क्रिया प्रयुक्त हुई है। सही विकल्प चुनकर लिखिए– 1

(i) वह वहाँ दौड़ा। (ii) वे सब बाजार गये।

(iii) वह जोर से बोली। (iv) वे सब भाग रहे थे।

8. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त विशेषणों के भेद दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए–

(क) वह सुन्दर लड़का है। 1

(i) सार्वनामिक (ii) गुणवाचक

(iii) संख्यावाचक (iv) परिमाणवाचक

(ख) तुम सब पाँच भाई हो। 1

(i) गुणवाचक (ii) निश्चित संख्यावाचक

(iii) अनिश्चित संख्यावाचक (iv) अनिश्चित परिमाणवाचक

(ग) बाजार में बहुत सी बातें सुनने को मिली। 1

(i) अनिश्चित संख्यावाचक (ii) अनिश्चित परिमाणवाचक

(iii) निश्चित परिमाणवाचक (iv) गुणवाचक

(घ) जो लड़का आया वह गया भी था। 1

(i) गुणवाचक (ii) सार्वनामिक

(iii) परिमाणवाचक (iv) संख्यावाचक

9. निम्नलिखित वाक्यांश में दिए गए रिक्त स्थानों के विकल्प में दिए गए क्रिया विशेषणों से सही विकल्प चुनकर पूरा कीजिए–

उस लड़के ने (क) निहारा। उसे (ख) भीड़ ही भीड़ दिखी। वह (ग) सड़क की ओर दौड़ा फिर लोगों से (घ) बतयाया और चला गया।

(क)	(i)	यहाँ	(ii)	इधर–उधर	**1**
	(iii)	कहाँ	(iv)	धीरे	
(ख)	(i)	उतना	(ii)	चारों ओर	**1**
	(iii)	ऊपर	(iv)	नीचे	
(ग)	(i)	एक दम	(ii)	जल्दी–जल्दी	**1**
	(iii)	ऊपर	(iv)	पीछे वाली	
(घ)	(i)	थोड़ा	(ii)	वहाँ	**1**
	(iii)	यहाँ	(iv)	ऊपरी	

खण्ड 'ग'

10. गर्मियों में उनकी 'संझा' कितनी उमसभरी शाम को न शीतल करती। अपने घर के आँगन में आसन जमा बैठते। गाँव के उनके कुछ प्रेमी भी जुट जाते। खँजड़ियों और करतालों की भरमार हो जाती। एक पद बालगोबिन भगत कह जाते, उनकी प्रेमी मंडली उसे दुहराती, तिहराती। धीरे–धीरे स्वर ऊँचा होने लगता– एक निश्चित ताल, एक निश्चित गति से। उस ताल–स्वर के चढ़ाव के साथ श्रोताओं के मन भी ऊपर उठने लगते। धीरे–धीरे मन तन पर हावी हो जाता। होते–होते, एक क्षण ऐसा आता कि बीच में खँजड़ी लिए बालगोबिन भगत नाच रहे हैं और उनके साथ ही सबके तन और मन नृत्यशील हो उठे हैं। सारा आँगन नृत्य और संगीत से ओतप्रोत है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सही विकल्पों को चुनकर लिखिए– **5**

(i) 'संझा' से लेखक का क्या आशय है? **1**

(क) गर्मियों की उमसभरी शाम। (ख) लोगों के मन को शान्ति मिलना।

(ग) शाम के समय गाए जाने वाले भक्ति गीत। (घ) सम्पूर्ण वातावरण शीतल हो जाना।

(ii) 'प्रेमी' किसे कहा गया है? **1**

(क) जो एक साथ भोजन करते थे।

(ख) खंजड़ी बजाते थे।

(ग) जो आदर देते थे और उनके साथ भक्ति गीत गाते थे।

(घ) फिल्मी गीत गाते थे।

(iii) 'धीरे–धीरे मन तन पर हावी हो जाता'– इस पंक्ति का आशय है। **1**

(क) पूरे गाँव में भ्रमण करते। (ख) लोगों को भला बुरा कहते।

(ग) आनंद विभोर होकर नृत्य करने लग जाते। (घ) पूजा करने लग जाते।

(iv) गीत के अंतिम क्षणों में बालगोबिन जी के यहाँ का दृश्य कैसा होता था? **1**

(क) पूरे आँगन में रोशनी फैल जाती थी। (ख) घर का सारा आँगन संगीतमय हो जाता था।

(ग) घर पर भीड़ हो जाती थी। (घ) कुछ भी नहीं होता था।

(v) अपनी 'संझा' में किस वाद्य का बालगोबिन भगत प्रयोग करते थे? **1**

(क) हरमोनियम (ख) तबला

(ग) खँजड़ी (घ) गिटार

अथवा

मुफ़स्सिल की पैसेंजर ट्रेन चल पड़ने की उतावली में फूँकार रही थी। आराम से सेकंड क्लास में जाने के लिए दाम अधिक लगते हैं। दूर तो जाना नहीं था। भीड़ से बचकर, एकांत में नयी कहानी के सम्बंध में सोच सकने और खिड़की से प्राकृतिक दृश्य देख सकने के लिए टिकट सेकंड क्लास का ही ले लिया।

गाड़ी छूट रही थी। सेकंड क्लास के एक छोटे डिब्बे को खाली समझकर, ज़रा दौड़कर उसमें चढ़ गए। अनुमान के प्रतिकूल डिब्बा निर्जन नहीं था। एक बर्थ पर लखनऊ की नवाबी नस्ल के एक सफ़ेद पोश सज्जन बहुत सुविधा से पालथी मारे बैठे थे। सामने दो ताज़े-चिकने खीरे तौलिए पर रखे थे। डिब्बे में हमारे सहसा कूद जाने से सज्जन की आँखों में एकांत चिंतन में विघ्न का असंतोष दिखाई दिया। सोचा, हो सकता है, यह भी कहानी के लिए सूझ की चिंता में हों या खीरे-जैसी अपदार्थ वस्तु का शौक करते देखे जाने के संकोच में हों।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर उत्तरों के सही विकल्प चुनकर लिखिए- **5**

(i) 'मुफ़स्सिल' शब्द का क्या अर्थ है? **1**

(क) विदेशी जगह (ख) केन्द्रस्थ नगर के इर्द-गिर्द का स्थान

(ग) ट्रेन के अन्दर का स्थान (घ) घर का स्थान

(ii) ट्रेन की फूँकार से क्या पता चल रहा था? **1**

(क) ट्रेन खराब है। (ख) ट्रेन कल जाएगी।

(ग) ट्रेन चल पड़ने को तैयार है। (घ) ट्रेन दो घंटे बाद जाएगी।

(iii) लेखक ने क्या सोचकर सेकंड क्लास का टिकट लिया? **1**

(क) लोगों के पास पैसे नहीं हैं। (ख) सेकंड क्लास में और लेखक भी होंगे।

(ग) भीड़ से बचकर नयी कहानी लिखेगा। (घ) कोई नहीं जाता।

(iv) लेखक ने डिब्बे में घुसकर क्या देखा? **1**

(क) गहने पड़े थे। (ख) नवाबी नस्ल के सज्जन एवं बर्थ पर खीरे पड़े थे।

(ग) स्वादिष्ट भोजन रखा था। (घ) डिब्बे में कोई नहीं था।

(v) लेखक को उस सज्जन की आँखों में क्या भाव दिखाई दिया? **1**

(क) एकांत चिंतन में भी खुशी नहीं (ख) एकांत चिंतन में विघ्न का असंतोष

(ग) एकांत भाव पाकर गुस्सा हुआ (घ) दूसरों को इशारा किया

11. निम्न प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए। **2x5=10**

(क) सेनानी न होते हुए भी चश्मेवाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे?

(ख) पान वाले का रेखाचित्र प्रस्तुत कीजिए।

(ग) खेतीबारी से जुड़े गृहस्थ बालगोबिन भगत अपनी किन चारित्रिक विशेषताओं के कारण साधु कहलाते थे?

(घ) भगत ने अपने बेटे की मृत्यु पर अपनी भावनाएँ किस प्रकार व्यक्त कीं?

(ङ) लेखक को नवाब साहब के किन हाव भावों से महसूस हुआ कि वे उनसे बातचीत करने के लिए तनिक भी उत्सुक नहीं हैं?

12. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए एवं उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **5**

छोटे से जीवन की कैसे बड़ी कथाएँ आज कहूँ?
क्या यह अच्छा नहीं कि औरों की सुनता मैं मौन रहूँ?
सुनकर क्या तुम भला करोगे, मेरी भोली आत्म-कथा?
अभी समय भी नहीं, थकी सोई है मेरी मौन व्यथा।

(i) कवि बड़ी गाथा के रूप में कहने से क्यों झिझक रहा है?

(ii) कवि क्या मान रहा है?

(iii) 'सुनकर क्या तुम भला करोगे'- ऐसा कवि क्यों कहता है?

(iv) 'अभी समय भी नहीं'- कवि ऐसा क्यों कहता है?

(v) 'सोई है मेरी मौन व्यथा' का आशय स्पष्ट करें।

अथवा

हमारैं हरि हारिल की लकरी।
मन क्रम वचन नंद-नंदन उर, यह दृढ़ करि पकरी।
जागत सोवत स्वप्न दिवस, निसि, कान्ह-कान्ह जकरी।
सुनत जोग लागा है ऐसो, ज्यौं करूई ककरी।
सु तौ व्याधि हमकौं लै आए देखी सुनी न करी।
यह लै 'सूर' तिनाहि लै सौंपो, जिनके मन चकरी।

(i) गोपियाँ अपनी तुलना हारिल पक्षी से क्यों करती हैं?

(ii) गोपियों ने 'हारिल की लकड़ी' किसे और क्यों कहा है?

(iii) गोपियों को दिन-रात किसकी रट लगी रहती है, और क्यों?

(iv) प्रस्तुत अंश में किस अंश द्वारा श्रीकृष्ण के प्रति गोपियों के गहरे प्रेम को प्रकट किया है?

(v) गोपियों को योग का सन्देश कैसा लगता है और क्यों?

13. निम्न प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए– **5**

(i) स्मृति को पाथेय बनाने से कवि का क्या आशय है? **2**

(ii) योग सन्देश का गोपियों पर क्या प्रभाव पड़ा? **2**

(iii) ब्रज दूलह कौन हैं? उन्हें 'जग मंदिर दीपक' क्यों कहा गया है। – स्पष्ट कीजिए। **1**

14. जार्ज पंचम की नाक की लम्बी दास्तान क्या है? **5**

अथवा

गुरूजी की फटकार से रोता हुआ बालक यकायक कैसे चुप हो गया?

खण्ड 'घ'

(पत्र–लेखन)

15. आपका मित्र किसी दुर्घटना में घायल हो गया और उसे अस्पताल में दाखिल होना पड़ा। कुशल क्षेम पूछते हुए उसे एक सान्त्वना पत्र लिखिए। **5**

अथवा

आपके क्षेत्र की डाक नियमित रूप से नहीं बँट रही है। डाकिए की लापरवाही की शिकायत करते हुए क्षेत्र के पोस्ट–मास्टर को पत्र लिखिए।

16. नीचे दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर निबन्ध लिखें– **5**

समाचार पत्र और देश की प्रगति–का आइना – कर्त्तव्य से दूर – निष्पक्षता – पाठकों का विश्वास

अथवा

भारत में क्रिकेट की लोकप्रियता – क्या बाकी खेलों की प्रगति में बाधक है? – भारत के प्रमुख खेल – क्रिकेट सर्वाधिक लोकप्रिय क्यों? – मीडिया और समाज की भूमिका – आर्थिक कारण – अन्य खेलों में प्रोत्साहन की कमी – निष्कर्ष ।

- o O o -